दिन का पर्यायवाची शब्द

दिवस	दिवा
तिथि	वासर
वार	अह्न
प्रमान	याम
रोज	काल

दिन से जुड़ा कुछ रोचक तथ्य

- जैसा की हमे पता है पृथ्वी अपने अक्ष पे घुमने के साथ साथ सूर्य के चारो ओर चक्कर लगते है।
- पृथ्वी के द्वारा अपने अक्ष पे घुमने के कारण दिन-रात होते है वही पृथ्वी के द्वारा सूर्य के चारो ओर चक्कर लगाने के कारण साल बदलते है।
- एक समय में पृथ्वी के आधे हिस्से में सूर्य की रोशनी पढ़ती है और बाकि आधे हिस्से तक सूर्य की रोशनी नहीं पहुँच पाती है।
- पृथ्वी के जिस आधे हिस्से में सूर्य की रोशनी पढ़ती है वहाँ दिन होता है वही पृथ्वी के जिस आधे हिस्से में सूर्य की रोशनी नहीं पढ़ती है वहाँ रात होता है।
- 21 जून को साल का सबसे बड़ा दिन होता है।
- 23 दिसंबर को साल का सबसे छोटा दिन होता है।
- 21 मार्च को दिन और रात बराबर होते हैं।

दिन रात कैसे होता है?

क्या कभी आपने ऐसा सोचा है दिन रात कैसे होता है? दिन के बाद रात और रात के बाद दिन क्यों होता है? आपको बता दे की दिन और रात केवल पृथ्वी के गति के कारण होता है। पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है। पृथ्वी के अपनी धुरी पर घूमने के कारन पृथ्वी के आधे हिस्से पर सूर्य का प्रकाश पड़ता है वही बाकि आधे हिस्से तक सूर्य का प्रकाश नहीं पहुँच पाता है। पृथ्वी के जिन आधे स्थानों पर सूर्य का प्रकाश पड़ता है वहां दिन होता और जिन आधे स्थानों पर सूर्य का प्रकाश नहीं पहुंच पाता है वहां रात होती है। हमारी पृथ्वी लड्डू की तरह अपने कक्ष पर घूमती है। जिसे हम पृथ्वी का परिभ्रमण कहते हैं। पृथ्वी के एक परिभ्रमण काल 24 घंटे का होता है। इसमें पृथ्वी के धरातल का आधा भाग सूर्य के सामने से होकर गुजरता है जिससे सूर्य का प्रकाश पृथ्वी के आधे हिस्से पर पड़ता है जिससे पृथ्वी के उस आधे हिस्से में दिन होता है। वही पृथ्वी का आधा हिस्सा जो सूर्य के पीछे के साइड में रह जाता है यह आधा भाग अंधेरे में रहने के कारण वहां पर रात होती है। पृथ्वी के परिभ्रमण के कारन आधे समय के लिए दिन रहता है और आधे समय के लिए रात रहता है और यही प्रक्रिया लगातार चलते रहता है। और इस प्रकार रात के बाद दिन और दिन के बाद रात होता है।